

पहला कॉलम

जम्मू में अखबार बेचने वाले की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के जम्मू शहर के बख्शी नगर इलाके की रेशम घर कॉलोनी में गुरुवार को एक अज्ञात बंदूकधारी ने एक अखबार बेचने वाले की गोली मारकर हत्या कर दी. वेंडर की पहचान रेशम घर कॉलोनी के स्थानीय निवासी दीपक शर्मा के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, शर्मा अपने घर के अंदर थे, तभी एक बंदूकधारी अंदर घुस आया और उन्हें पास से गोली मार दी. एक अधिकारी ने कहा, उसे कई गोलियां लगीं और बंदूकधारी मौके से भाग गया. वेंडर को तुरंत पास के सरकारी मेडिकल कॉलेज जम्मू ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया. बख्शी नगर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया गया है और हमलावर की पहचान और गिरफ्तारी के लिए तलाश शुरू कर दी गई है. अभी यह पता नहीं चल पाया है कि वेंडर को आतंकवादियों ने गोली मारी है या नहीं.

दिल्ली मतदाता सूची से नाम हटाने के मामले में कोर्ट 21 सितंबर को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नाम हटाए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर उच्चतम न्यायालय 21 सितंबर को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल हैं। पीठ ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े अन्य मामले भी अगले सप्ताह सूचीबद्ध हैं, इसलिए इस याचिका पर सोमवार को सुनवाई की जाएगी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने अदालत के समक्ष कहा कि दिल्ली की मसौदा मतदाता सूची से करीब 47 लाख लोगों के नाम हटाए गए हैं और इनमें से करीब 33 लाख लोगों को चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किए हैं। उनका आरोप है कि नोटिस पाने वाले लोगों के नाम और उनके नाम हटाए जाने के आधार सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि मतदाता सूची में बताई गई ‘तार्किक विसंगतियों’ और ‘मानचित्रण नहीं होने’ जैसी श्रेणियों का आधार क्या है।

गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान तालाब में डूबे छह छात्र, मौत

संगारेड्डी। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान बड़ा हादसा हो गया। पटनचेरू थाना क्षेत्र के पेदाकंजरला गांव में गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए निकले छह छात्रों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब जुलूस में शामिल छात्र नरेडू चेरुवु तालाब में गलती से गिर गए। हादसे की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया और तालाब में गिरे छात्रों को बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद सभी छह को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान नरसिम्हा (21), तेजा (17), सिद्धार्थ (17), गणेश (18), सुमंत रेड्डी (17) और उदय किरण (22) के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

जुमे की नमाज के दौरान पाकिस्तान में भीषण धमाका

घटना में 16 नमाजियों की मौत,50 की हालत गंभीर

नई दिल्ली/ एजेंसी

पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में पुलिस लाइंस इलाके में शुक्रवार की नमाज के दौरान मस्जिद के पास जोरदार विस्फोट हुआ। इस घटना में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा घायल हैं। जिला मुख्यालय अस्पताल के डॉक्टर ताहिर अली शाह ने बताया कि विस्फोट के बाद अस्पताल में 16 शव और 50 से अधिक घायलों को लाया गया। पुलिस के मुताबिक, धमाका मस्जिद के बाहर हुआ, जिससे वहां बड़ा गड्ढा बन गया। घायलों में पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। विस्फोट के बाद पुलिस लाइंस में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, विस्फोट वाली जगह पर राहत और बचाव अभियान जारी है। घटना के बाद प्रशासन ने कोहाट-हंगू सड़क को सभी तरह के यातायात के लिए बंद कर दिया है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाए जाने के बाद कोहाट के जिला मुख्यालय अस्पताल प्रशासन ने इमरजेंसी घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने बाद में बताया कि विस्फोट में घायल कम से कम 25 लोगों को



इलाज के लिए अस्पताल लाया गया है। खैबर पख्तूनख्वा के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस जुल्फिकार हमीद ने बताया कि विस्फोटकों से लदा एक वाहन पुराने पुलिस लाइंस के गेट से टकराया और इसके बाद उसमें जोरदार धमाका हो गया। उन्होंने बताया कि वाहन के गेट से टकराने के बाद विस्फोट हुआ और गोलीबारी भी शुरू हो गई। आईजीपी के मुताबिक, यह आत्मघाती हमला था। गोलीबारी के दौरान स्पेशल ब्रांच की इमारत में भी एक अन्य आत्मघाती विस्फोट हुआ। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस आतंकवाद के खिलाफ लोहे की दीवार की तरह खड़ी है और ऐसे हमले पुलिसकर्मीयों

का मनोबल नहीं तोड़ सकते। उन्होंने कहा कि शहीदों का खून व्यर्थ नहीं जाएगा और आतंकवादियों व उनके मददगारों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। केंद्रीय पुलिस कार्यालय ने बताया कि आईजीपी जुल्फिकार हमीद ने कोहाट के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी से घटना की रिपोर्ट मांगी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, विस्फोटकों से लदा वाहन पुराने पुलिस लाइंस के गेट से टकराया था। केंद्रीय पुलिस कार्यालय के मुताबिक, अधिकारी विस्फोट की पूरी प्रकृति और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रहे हैं। धमाके के बाद हमलावरों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी जारी रही।

खैबर पख्तूनख्वा में बढ़ती हिंसक घटनाएं और सुरक्षा एजेंसियों की पड़ताल

इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रेड अलर्ट जारी कर सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा बल घटना स्थल से साक्ष्य जुटा रहे हैं और आसपास के इलाकों में संदिग्धों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पिछले साल फरवरी में आतंकवादी संगठन ने इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, परंतु पुलिस हर कोण से जांच कर रही है। कोहाट जिले में हुए इस भीषण फिदायीन हमले ने प्रांत में सुरक्षा व्यवस्था और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अस्पताल प्रशासन ने आपातकाल घोषित कर सभी डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को तुरंत ड्यूटी पर तैनात रहने के निर्देश दिए हैं।

गुमनाम शिकायतों पर भड़का कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने बिल्डरों को फटकारा, सीबीआई जांच का दिया आदेश

नई दिल्ली। जजों, एमिकस क्यूरी और वकीलों के खिलाफ लगातार मिल रही गुमनाम शिकायतों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई है। यह मामला उन रियल एस्टेट कंपनियों और बिल्डरों से जुड़ी सुनवाई के दौरान सामने आया, जिन पर घर खरीदारों को कथित तौर पर नुकसान पहुंचाने, सबवेंशन स्कीम का गलत इस्तेमाल करने, प्रोजेक्ट में देरी करने और निवेश की रकम वापस नहीं करने के आरोपों की जांच चल रही है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अगर गुमनाम शिकायतों के पीछे किसी बिल्डर या अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बेंच में जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कोर्ट गुमनाम शिकायतों की सीबीआई जांच करने का निर्देश दे सकता है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन्हें भेजने के पीछे कौन लोग हैं। सीजेआई ने सवाल किया कि इन मामलों में बिल्डरों की ओर से कौन-कौन से वकील पेश हो रहे हैं। उन्होंने शिकायतों को लेकर नाराजगी



सीबीआई ने कई एफआईआर और चार्जशीट दाखिल कीं

पिछली सुनवाई में सीबीआई की जांच की जानकारी देते हुए बताया गया था कि एजेंसी ने बिल्डरों और बैंक अधिकारियों से जुड़े मामलों में कई एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें से कुछ मामलों की जांच पूरी हो चुकी है और संबंधित अदालतों में चार्जशीट भी दाखिल की गई है। जांच के दौरान कुछ बैंक अधिकारियों की भूमिका भी सामने आने की बात कही गई है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है।

जताते हुए कहा कि क्या बिल्डरों को लगता है कि इस तरह की गुमनाम शिकायतों से अदालत पर दबाव बनाया जा सकता है। बेंच ने यह भी कहा कि वह शिकायतों के पीछे जिम्मेदार लोगों का पता लगाएगी।

ममता बनर्जी को दोहरा झटका, पहले टीएमसी का नाम-सिंबल गया

अब नंदीग्राम सीट से उम्मीदवार संचिता डे ने नाम लिया वापस...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बड़ा झटका लगा है। आगामी उपचुनाव के लिए नंदीग्राम सीट से उम्मीदवार और शिक्षिका संचिता प्रधान डे ने अपना नाम वापस ले लिया। संचिता ने ममता के नेतृत्व वाले गुट ‘ममता ऑल इंडिया गुप्तपल कांग्रेस’ से उपचुनाव के लिए नामांकन किया था। उन्होंने एक दिन पहले ही

मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी से मुलाकात की थी। इससे पहले गुरुवार को चुनाव आयोग ने पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर ममता और ऋतब्रत बनर्जी गुट के बीच बढ़ते विवाद के बाद पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को प्रेज कर दिया था। चुनाव आयोग ने दोनों गुटों से आज सुबह 11 बजे तक नए नाम और चुनाव चिन्ह के विकल्प देने के लिए कहा था। इसके बाद आयोग ने ममता गुट को फुर्बाल

प्लेयर और ऋतब्रत गुट को लिफफा चुनाव चिन्ह दिया है। संचिता प्रधान डे के अचानक अपना नाम वापस लेने को लेकर ममता बनर्जी ने कहा कि नंदीग्राम उपचुनाव में पार्टी को समर्थन करने और मजबूत करने के लिए कांग्रेस को समर्थन करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी असम में चुनाव नहीं लड़ेगी। ममता ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि, राज्य स्तर पर, जिला स्तर पर, ब्लॉक स्तर पर, तहसील और



कॉर्पोरेट स्तर पर हमारे समय में कितने कमौशन आए? इन 4 महीनों

में 64 से अधिक लोगों की हत्याएं हुई हैं। 44 से ज्यादा लड़कियां और

दूसरी महिलाओं के साथ रेप हुआ है। आधी रात को भी वे घर के बेडरूम में घुस रहे हैं, जहां वे नहीं जा सकते। अब, पुलिस उनका नंबर एक हथियार बन गई है। पुलिस जाकर उनसे पूछ रही है कि या तो तुम भाजपा समर्थित हो, जिसे हम बकवास समूह कहते हैं, उसमें शामिल हो जाओ या तुम जेल जाओ। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि उन्होंने पहले ही योजना बना ली है, एक नकली स्टूकक्रिया है,

एक फर्जी चुनाव किया है, उन्होंने पहले ही योजना बना लिया है, छत्रन्त्र ने कार्डिंग की, उन्होंने कार्डिंग एजेंट को हटा दिया है, उन्होंने 3-4 राउंड हाईजैक कर लिए हैं और हम जानते हैं कि मास्टरमाइंड कौन था। यह हमारा तहजीब है, हम नाम नहीं ले रहे हैं, अगर जरूरत पड़ी तो हम बाद में ऐसा करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि, लेकिन हम अपना सिर नहीं झुकाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने 2025 में किया था बरी निठारी हत्या कांड के आरोपी सुरेंद्र कोली ने लगाई फांसी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

वर्ष 2006 में नोएडा के निठारी गांव से सामने आए बच्चों की हत्या और यौन उत्पीड़न के सीरियल कांड के प्रमुख आरोपी सुरेंद्र कोली का अंत बेहद नाटकीय और संदिग्ध परिस्थितियों में हुआ है। अदालत से बरी होने के बाद गुमनामी की जिंदगी बिता रहे कोली का शव शुक्रवार को हरिद्वार के एक चाय के खोखे में रस्सी के सहारे पेंडे से लटका हुआ पाया गया। हरिद्वार शहर कोतवाली क्षेत्र की ससत्रथि पुलिस चौकी को सूचना मिली कि ससरोवर रोड पर लालमाता मंदिर के सामने स्थित एक चाय की दुकान में किसी व्यक्ति ने फांसी लगा ली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा और तलाशी ली, जिसके बाद मृतक की पहचान सुरेंद्र कोली के रूप में हुई। शहर कोतवाल कुंदन सिंह राणा ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि सुरेंद्र कोली पिछले कुछ महीनों से उत्तर हरिद्वार क्षेत्र में रह रहा था। उसने अपनी पुरानी पहचान छुपाकर एक



छोटा सा चाय का खोखा किराए पर लिया था और वहीं से अपना जीवन यापन कर रहा था। पुलिस के अनुसार घटना स्थल और दुकान से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने अल्मोड़ा में रह रहे उसके परिजनों को सूचित कर दिया है और मामले की हर पहलु से जांच की जा रही है। वर्ष 2006 में नोएडा के सेक्टर-31 स्थित मोनंदिर सिंह पंधेर की कोठी के पीछे नाले से बच्चों के कंकाल बरामद होने के बाद निठारी कांड का खुलासा हुआ था। पंधेर के नौकर सुरेंद्र कोली पर कई बच्चों के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के गंभीर आरोप लगे थे।

भविष्य की तैयारियों में जुटा छ्तीसगढ़

20 साल का रोड नेटवर्क मास्टर प्लान होगा तैयार बनेंगे इंटरमॉडल ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स हब....

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप मजबूत और एकीकृत अधोसंरचना विकसित करने की दिशा में छत्तीसगढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस संबंध में मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में बैठक हुई। मिशन के लिए लोक निर्माण विभाग को नोडल विभाग बनाया

गया है। बैठक में सड़क, ऊर्जा, जल, सिंचाई, संचार, फाइबर नेटवर्क और अन्य प्रमुख अधोसंरचना क्षेत्रों के समग्र विकास पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव विकासशील ने प्रदेश के रोड नेटवर्क के लिए आगामी 20 वर्षों का मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान में मौजूदा अधोसंरचना की स्थिति, भविष्य की जरूरतों, कनेक्टिविटी की आवश्यकताओं और संभावित विकास क्षेत्रों का व्यापक आकलन किया जाए। इसके



आधार पर विभिन्न परियोजनाओं की प्राथमिकता तय कर उन्हें चरणबद्ध तरीके से लागू करने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में कहा गया कि प्रदेश के अधोसंरचना विकास को केवल सड़क नेटवर्क तक सीमित न रखते हुए ऊर्जा, जल, सिंचाई, संचार और डिजिटल कनेक्टिविटी को भी एकीकृत दृष्टिकोण के साथ विकसित किया जाए। प्रत्येक क्षेत्र की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों का आकलन कर यह निर्धारित करने पर जोर दिया गया कि आने वाले वर्षों में किस तरह की अधोसंरचना और किन क्षेत्रों में विकसित करने की आवश्यकता होगी।

आप से जुड़े 3 लोग पकड़े

रवनीत सिंह बिट्टू के काफिले पर अंडे-टमाटर से हमला.....

नई दिल्ली। पठानकोट जा रहे रवनीत सिंह बिट्टू के काफिले पर हमला होने की खबर सामने आई है। बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू पठानकोट में बीजेपी यात्रा में शामिल होने जा रहे थे। तभी उनके काफिले पर हमला हुआ। यह जानकारी रवनीत सिंह बिट्टू के ऑफिस ने दी है। आज से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन शुरू करने वाले हैं। मिली जानकारी के अनुसार, बटाला में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू के काफिले पर



टमाटर और अंडे फेंके जाने के बाद हंगामा हुआ। पूर्व केंद्रीय मंत्री के ऑफिस के मुताबिक, उनकी सुरक्षा टीम ने कथित तौर पर आम आदमी पार्टी से जुड़े तीन लोगों को पकड़ा है।

संपादकीय

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए खुदरा महंगाई की दर अगस्त में क्रमशः 5.23 फीसद और 4.31 फीसद दर्ज की गई। खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति सुचारु रखने, जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा किसानों को उचित उत्पादन और भंडारण सुविधाएं देने की जरूरत है।जब वस्तुओं और सेवाओं को कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो इसका सबसे ज्यादा असर समाज के उस

वर्ग पर पड़ता है, जिसकी आय कम होती है और संसाधनों का दायरा भी सीमित होता है। भोजन, कपड़े, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी आवश्यकताओं पर बढ़ता खर्च इन परिवारों के बजट को बिगाड़ देता है। सरकार की ओर से बीते सोमवार को जारी महंगाई के आंकड़ों से साफ है कि आम लोगों को अब रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं के लिए अपनी जेब और ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है।खाद्य, ईंधन एवं विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से अगस्त में

थोक महंगाई बढ़कर 9.92 फीसद, जबकि खुदरा महंगाई 4.82 फीसद पर पहुंच गई है। इससे पिछले माह जुलाई में यह क्रमशः 9.78 फीसद और 4.45 फीसद थी। जनवरी से लागू 2024 आधार वर्ष वाली नई श्रृंखला के बाद से अगस्त की खुदरा महंगाई का यह आंकड़ा अब तक का सबसे अधिक है।यही नहीं, अगले माह से ग्रुपीआइ के जरिए दो हजार रुपए से अधिक की राशि के भुगतान पर भी शुल्क लगेगा। सरकार की ओर से मंगलवार को तय की गई

शुल्क दरों में हालांकि आम लोगों के बीच ग्रुपीआइ से लेन-देन को इससे बाहर रखा गया है, लेकिन अन्य सरकारी एवं निजी सेवाओं के लिए भुगतान पर शुल्क देना होगा। यानी आम आदमी को अब महंगाई की दोहरी मार झेलनी पड़ेगी।राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए खुदरा महंगाई की दर अगस्त में क्रमशः 5.23 फीसद और 4.31 फीसद दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्रों में वस्तुओं

के दाम ज्यादा बढ़े हैं, जहां लोगों की आय सीमित होती है। प्याज की महंगाई दर का जुलाई के 22.54 फीसद की तुलना में अगस्त में उछलकर 48.27 फीसद पर पहुंचना दर्शाता है कि प्याज आम लोगों की रसोई से गायब होने लगा है।यही हाल लहसुन और अदरक का भी है। ऐसे में निम्न और मध्य वर्गीय परिवारों को अपनी जरूरतों में कटौती करनी पड़ रही है। आय में वृद्धि अगर महंगाई की गति से कम हो, तो घरेलू बजट को संभालना मुश्किल हो जाता है। इसमें

दोराय नहीं कि अगले माह की शुरुआत में जब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होगी, तब नीतिगत ब्याज दरों पर फैसला करने में महंगाई का यह बढ़ा हुआ स्तर एक प्रमुख कारक साबित हो सकता है।यह भी महत्वपूर्ण है कि महंगाई का असर केवल घरेलू बजट तक सीमित नहीं रहता। जब लोगों की क्रय शक्ति घटती है, तो बाजार में मांग भी प्रभावित होती है। यानी इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था । वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे । उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता । विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकू लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उस सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है । यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है । लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है । जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है । यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है- सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण ।

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

(ललित गर्ग)

लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आइपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है। आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक धूर्तोकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की



स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- मेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है। गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोरे व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकू लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है। यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है।

यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है- सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, ्राति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं। आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, कट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने- यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए। लोकतंत्र की दूसरी बड़ी

आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरुआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए। साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था- सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो। लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है। अंततः लोकतंत्र कोई तैयार होकर मिल जाने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर साधना है। उसे हर पीढ़ी को अपने आचरण, संस्थाओं और सार्वजनिक जीवन के माध्यम से मजबूत करना पड़ता है। लोकतंत्र तभी सार्थक है जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, मानवाधिकार सुरक्षित हों, कमजोर को न्याय मिले, असहमति का सम्मान हो और नागरिकों को यह विश्वास हो कि शासन वास्तव में उनके कल्याण के लिए है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विविधता और जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण है।

ब्रिक्स में भारत की शानदार कूटनीतिक सफलता ने ब्रांड मोदी को और मजबूत कर दिया है

(नीरज कुमार दुबे)

भारत और चीन के बीच हुई बातचीत भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। सीमा विवाद और लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बावजूद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व का आमने-सामने बैठना इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना संवाद के दरवाजे बंद नहीं करता।

दिल्ली में हुई ब्रिक्स शिखर बैठक को अगर केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मानकर देखा जाएगा तो उसकी असली राजनीतिक अहमियत समझ में नहीं आएगी। देखा जाये तो यह बैठक ऐसे समय में हुई, जब दुनिया कई मोर्चों पर तनाव, युद्ध, अविश्वास और बदलते शक्ति-संतुलन से गुजर रही है। ऐसे माहौल में भारत ने जिस तरह अलग-अलग ध्रुवों के देशों को एक मंच पर बैठाया, संवाद के रास्ते खोले और मतभेदों के बावजूद सहयोग की जमीन तैयार की, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति के लिए एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि के तौर पर सामने आई है।

ब्रिक्स की इस बैठक की सबसे बड़ी सफलता यही रही कि भारत ने उन देशों के बीच भी संवाद को संभावना पैदा की, जिनके बीच गहरे मतभेद हैं। ईरान और खाड़ी के देशों के बीच बातचीत इसका सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण है। पश्चिम एशिया लंबे समय से टकराव, अविश्वास और संघर्ष का मैदान बना हुआ है। ऐसे समय में दिल्ली का मंच बातचीत के लिए उपलब्ध होना अपने आप में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह दिखाया कि भारत किसी एक खेमे का हिस्सा बनकर नहीं, बल्कि अलग-अलग पक्षों से संवाद करते हुए अपने लिए स्वतंत्र कूटनीतिक स्थान बना सकता है।

भारत और चीन के बीच हुई बातचीत भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। सीमा विवाद और लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बावजूद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व का आमने-सामने बैठना इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना संवाद के दरवाजे बंद नहीं करता। यही वह बिंदु है जहां मोदी की कूटनीति की ताकत दिखाई देती है। अमेरिका से संबंध भी कायम हैं, रूस के साथ रिश्ते भी बने हुए हैं, चीन से संवाद भी हो रहा है और पश्चिम एशिया के अलग-अलग देशों के साथ भारत की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। यानी भारत किसी एक शक्ति के पीछे चलने के बजाय अपनी शर्तों पर संबंधों का संतुलन साध रहा है।

यही सफलता उस राजनीतिक नैरेटिव को भी कमजोर करती है, जिसमें भारत-बार

यह सवाल उठाया जाता रहा कि अगर पड़ोसी देश पाकिस्तान ने मक्का समझौता कर लिया, दूसरे देशों के साथ अपने समीकरण बना लिए और क्षेत्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ गतिविधियां बढ़ीं तो क्या भारत की विदेश नीति असफल हो गई? विदेश नीति को केवल पड़ोस की तत्काल घटनाओं से मापना वास्तविक तस्वीर को छोटा कर देना है। असली सवाल यह है कि दुनिया की बड़ी शक्तियां भारत को किस नजर से देख रही हैं और संकट के समय कितने देश भारत के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। दिल्ली की बैठक ने इस सवाल का जवाब काफी हद तक दे दिया है।

यहां प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत कूटनीतिक छवि भी महत्वपूर्ण हो जाती है। नरेंद्र मोदी, क्वादिमीर पुतिन और शी चिनपिंग की तस्वीरें जिस तरह वैश्विक स्तर पर चर्चा में आई हैं, उनका राजनीतिक संदेश तस्वीर से कहीं बड़ा है। यह तस्वीर बताती है कि भारत का नेतृत्व एक साथ दुनिया की अलग-अलग शक्तियों के साथ संवाद करने की स्थिति में है। पश्चिमी देशों के लिए भी यह संदेश महत्वपूर्ण है कि भारत को नजरअंदाज करके वैश्विक राजनीति की कोई बड़ी रणनीति पूरी नहीं हो सकती।

इसका घरेलू राजनीतिक असर भी कम नहीं होगा। भाजपा लंबे समय से प्रधानमंत्री मोदी की मजबूत वैश्विक छवि को अपनी राजनीतिक पूंजी के रूप में इस्तेमाल करती रही है। ब्रिक्स की दिल्ली बैठक उस पूंजी को और मजबूत करने का अवसर देती है। विपक्ष यदि यह कहता है कि सरकार की विदेश नीति कमजोर पड़ गई है, तो भाजपा के पास दिल्ली में जुटे वैश्विक नेताओं, भारत की मध्यस्थ भूमिका और अलग-अलग शक्ति केंद्रों के साथ संवाद को सामने रखने का मजबूत राजनीतिक आधार तैयार हो गया है।

सबसे बड़ी बात यह है कि दिल्ली में मिली यह कूटनीतिक सफलता केवल एक शिखर सम्मेलन की सफलता बनकर नहीं रहने वाली। इसका सीधा और दीर्घकालिक लाभ भारत की सामरिक स्थिति को मिल सकता है। रूस, चीन, अमेरिका, यूरोप, ईरान और खाड़ी देशों जैसे अलग-अलग शक्ति केंद्रों के साथ एक साथ संवाद कायम रखने की मोदी की क्षमता ने यह संदेश दिया है कि भारत किसी दबाव या धुंध की राजनीति में बंधा हुआ नहीं है, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर दुनिया की बड़ी शक्तियों के साथ संबंध तय करने की स्थिति में है। इसका असर अपने वाले समय में व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक सहयोग और भारत की वैश्विक हैसियत, हर मोर्चे पर दिखाई दे सकता है।

तो अब शुभेंद्रु करेंगे गरबा मर्यादा की भी रक्षा?

(तरुण विजय)

अब सब हैं कि सेक्युलर तालिबानी आवाजों के विरुद्ध हिंदुओं को चाहिए कि अपना अंगद समान पर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए।

जिस प्रकार शुद्ध हिंदू उत्सव गरबा में गैर हिंदुओं को शामिल करने की विकृत सेकुलर आवाजें उठने लगीं हैं उनको देखते हुए लगता है कि मुख्यतः गुजरात और महाराष्ट्र में होने वाले गरबा उत्सवों की मर्यादा रक्षा के लिए तेजस्वी हिंदू ध्वज वाहक एवं पश्चिम बंगाल के महानायक मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी की सहयता मांगने का समय आ गया है।

अब सब हैं कि सेक्युलर तालिबानी आवाजों के विरुद्ध हिंदुओं को चाहिए कि अपना अंगद समान पर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए।

गरबा शक्ति की उपासना से जुड़ा पारंपरिक हिंदू पूजा-स्वरूप है। यह धनकुबेरों और हिंदू-भावना विहीन भीड़ के लिए मस्ती-मस्ती का कार्निवल नहीं है।

गरबा कोई सेक्युलर मनोरंजन मेला नहीं है। यह माँ अम्बा की भक्ति का हिंदू प्रतीक है। जो माँ दुर्गा की पूजा नहीं करते, जो उनके सामने शीश नहीं झुकाते, उनको गरबा में शामिल होने का कोई अधिकार नहीं।

इसका मूल रूप और अर्थ हिंदू ब्रह्मांड-दृष्टि, प्रतीकों और दिव्य स्त्री-शक्ति की साधना से आता है।

गरबा शब्द संस्कृत शब्द गर्भ से निकला है। पारंपरिक रूप में नर्तक एक घरे में गर्भ दीप-छेदों वाले मिट्टी के घड़े में जलते दीये –या देवी की मूर्ति के चारों ओर नृत्य अयर्थना करते हैं। दीपक जीवन-शक्ति, शरीर के भीतर दिव्य उपस्थिति और देवी की सृजन-शक्ति का



प्रतीक है। वृत्ताकार गति हिंदू चिंतन में काल के चक्र—सृष्टि, स्थिति और प्रलय—को दर्शाती है। गरबा शरद नवरात्रि में होता है, अर्थात् दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित नौ रातों में। यह पर्व महिषासुर पर दुर्गा की विजय का स्मरण है, जैसा देवी माहात्म्य (मार्कंडेय पुराण) में वर्णित है। भक्त माँ की स्तुति के गीत (गबी) गाते हैं, ताली देते हैं और नृत्य को पूजा तथा कृतज्ञता का माध्यम बनाते हैं। पारंपरिक माहौल में स्थान पवित्र माना जाता है- प्रायः नौ पाँव नाचते हैं, आरती होती है, और केंद्र में दीपक या मूर्ति ही मुख्य रहती है।

नवरात्रि व्रत माँ भगवती की भक्ति का चिह्न है। गरबा और डांडिया रास (जहाँ उड़े देवी के आयुधों के प्रतीक हैं) गुजरात में इसी भक्ति की सामाजिक अभिव्यक्ति बनेलोक-नृत्य के रूप में यह शालियों और अन्य अवसरों पर भी होता रहा है, पर इसका सबसे विस्तृत और मुख्य संदर्भ दुर्गा-पूजा का नवरात्रि चक्र ही है। क्योंकि यह रूप देवी और उनके प्रतीकों के इर्द-गिर्द बुना गया है, पारंपरिक हिंदू साधक और संगठन इसे

श्रद्धा का कर्म मानते हैं, सेक्युलर-गैरहिंदू मनोरंजन नहीं। जो दुर्गा को दिव्य माता नहीं मानते, मूर्ति-पूजा और धार्मिक विश्वास को अस्वीकार करते हैं, वे इस अनुष्ठान के उद्देश्य से बाहर हैं। गरबा को सिर्फ फन मेला कहना उसे उसके धार्मिक अर्थ से काट देता है और पूजा-भक्ति को तमाशा बना देता है।

अन्य धर्मों के अनुष्ठानों से तुलना स्वाभाविक है। ईद की नमाज इस्लामी मजहब के अनुसार निर्धारित है। गैर-मुसलमानों से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वे औपचारिक नमाज में मजहब की कर्तव्य के रूप में शामिल हों; वह स्थान और स्वरूप उन लोगों का है जो उस आस्था को स्वीकार करते हैं। अनेक परंपराओं में मूल उपासना-कर्म की सीमाएँ ऐसी ही हैं। नवरात्रि में गर्भ दीप या दुर्गा की मूर्ति के चारों ओर होने वाला गरबा उसी श्रेणी का आस्था-विशिष्ट कर्म है, राज्य द्वारा थोपा गया खुला सांस्कृतिक मेला नहीं।

आज कई स्थानों पर गरबा अत्यधिक व्यावसायिक हो चुका है और हिंदू-भावना विहीन इवेंट मैनेजरो के हाथों विकृत हो रहा है। समय आ गया है कि अंगद समान हिंदू आस्था और मर्यादा का पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए।

यूनेस्को ने 2023 में गरबा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। उसमें इसके हिंदू सामाजिक स्वरूप और शक्ति/स्त्री-ऊर्जा के वृत्त का बनाए रखते हुए लोगों को जोड़ने की क्षमता का उल्लेख है।

विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठनों का कहना सही है कि यह देवी-पूजा का रूप है, इसलिए प्रवेश उन्हीं का हो जो इस आस्था को साझा करते हैं। गरबा स्थलों पर प्रवेश नियंत्रण और पहचान जाँच की माँग इसीलिए है।मिथिला आयोग-नों में तनाव, हिंदू लड़कियों को निशाना बनाने,

अपमान और उत्पीड़न की घटनाएँ सामने आई हैं। गैर-हिंदुओं द्वारा हिंदू देवताओं का मज़ाक उड़ाने और गरबा के बहाने हिंदू लड़कियों को छेड़ने की खबरें भी आती रही हैं।

हिंदुओं को समावेशिता का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं। भारत का संविधान हिंदू-बहुल समाज में बना। यह कानून के समक्ष समानता, धर्म की स्वतंत्रता और प्रत्येक समुदाय को अपने धार्मिक कार्यों के प्रबंधन का अधिकार देता है। भारतीय संविधान हिंदू समावेशिता की अभिव्यक्ति है। प्रवासीनेटवर्क जुड़े

गरबा सनातन धर्म की मर्यादा से बँधा है। हिंदू अपनी संवेदनाओं के अनुसार प्रवेश की शर्तें रख सकते हैं। मंदिर, मठ और पारंपरिक संप्रदाय पहले से कुछ अनुष्ठान-स्थानों पर मर्यादा के अनुसार प्रवेश नियंत्रित करते हैं। दुर्गा-पूजा पर आधारित सामुदायिक गरबा पर भी वही तर्क लागू होना चाहिए। अब साधु-संन्यासियों और पारंपरिक हिंदू स्वरो से अपील करनी चाहिए कि वे विशिष्ट हिंदू रूपों की मर्यादा स्पष्ट करें और उसकी रक्षा करें। ये मर्ग धार्मिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अनुकूल हैं। शास्त्रीय नवरात्रि रूप में गरबा दुर्गा भगवती-माता और शक्ति के स्वरूप-के प्रति भक्ति का हिंदू अनुष्ठान है। गर्भ-दीप, वृत्ताकार गति, स्तुति-गीत तटस्थ मनोरंजन नहीं हैं। जो यह विश्वास नहीं रखते, वे इसके धार्मिक उद्देश्य से बाहर हैं, जैसे गैर-मुसलमान ईद की औपचारिक नमाज की संरचना से बाहर हैं।

अनुष्ठान के पारंपरिक स्वरूप की रक्षा का अर्थ यह नहीं कि नृत्य की व्यापक लोकप्रियता से इनकार किया जाए। अर्थ यह है कि पूजा-केंद्रित कम अपने आप खुली सेक्युलर पार्टी नहीं बन जाता। जो आयोजक इसे उपासना मानते हैं, उन्हें भागीदारी का ढाँचा उसी के अनुसार रखने का अधिकार है। (लेखक पूर्व सांसद और वरिष्ठ पत्रकार हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

धरसीवा में ‘सेवा संकल्प अभियान’ की धूम: 11 हजार ‘आशीर्वाद दीयों’ से जगमगाया गिरौद, तो स्कूली बच्चों ने रंगों से उकेरी ‘विकसित भारत’ की तस्वीर

विधायक अनुज शर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुए ऐतिहासिक दीपदान और रचनात्मक प्रतियोगिताएं; कहा— ‘आज के बच्चे ही 2047 के विकसित भारत के असली आधार स्तंभ हैं

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ
धरसीवा/रायपुर : धरसीवा विधानसभा क्षेत्र में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत देशभक्ति, जन-सेवा और बच्चों की प्रतिभा का अद्भुत संमं देखने को मिला। क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा की विशेष मौजूदगी में एक ओर जहां ग्राम जोगा, बरबंदा और सारागांव के शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों ने कला और ओजस्वी वाणी से देश के उज्ज्वल भविष्य का खाका खींचा, वहीं दूसरी ओर ग्राम गिरौद में 11,000 ‘आशीर्वाद दीयों’ के दिव्य प्रकाश से पूरा क्षेत्र जगमगा उठा।

खबर के मुख्य बिंदु :
11,000 दीयों से रचा इतिहास : ग्राम गिरौद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस व उनके 25 वर्षों के निष्काम सेवा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में विशाल दीपदान का आयोजन।
रंगोली व दीयों में दिखीं ऐतिहासिक

उपलब्धियां: राम मंदिर निर्माण, धारा 370 का निष्पभावीकरण, स्वदेशी कोविड वैक्सीन और महतारी वंदन योजना की झाकियां उकेरी गईं।

रचनात्मकता का प्रदर्शन : जोगा-बरबंदा व सारागांव के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में ‘25 वर्ष’ विकसित भारत का संकल्प’ विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित।

रंगों और ओजस्वी विचारों से दिखा ‘विकसित भारत 2047’ का सपना

जोगा, बरबंदा और सारागांव के स्कूलों में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपनी सूक्ष्म चित्रकारी से डिजिटल इंडिया, हरित ऊर्जा और आधुनिक अवसरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) को कैनवास पर जीवंत रूप दिया। भाषण प्रतियोगिता के दौरान मंच से बच्चों ने अपनी ओजस्वी वाणी से देश के प्रति



अपनी जिम्मेदारियों को रेखांकित किया। बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा, ‘प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जिस 2047 के विकसित भारत का संकल्प लिया है, उस संकल्प की सबसे बड़ी ताकत हमारे युवा और स्कूली बच्चे हैं।

बच्चों की यह उत्कृष्ट प्रतिभा और राष्ट्रभक्ति दर्शाती है कि हमारे देश का भविष्य सुरक्षित और मजबूत हाथों में है। 11,000 दीयों से अलौकिक हुआ ग्राम गिरौद; गुंजे देशभक्ति के नारे अभियान की अगली कड़ी में ग्राम गिरौद में एक अलौकिक दीपदान



कार्यक्रम संपन्न हुआ। 11,000 दीयों और आकर्षक रंगोलियों की मदद से केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा ऐतिहासिक फैसलों को कलात्मक ढंग से प्रदर्शित किया गया। ‘जय श्रीराम’ के जयकारों और देशभक्ति

माटी के दीपक नहीं हैं, बल्कि यह धरसीवा की जनता का अपने जननायक के प्रति असीम स्नेह और विश्वास का प्रतीक है। आइए, हम सब मिलकर ‘विकसित भारत’ के इस महायज्ञ में अपनी-अपनी आहुति देने का संकल्प लें।=

कार्यक्रम में प्रमुखजनों की उपस्थिति

इन गरिमामय आयोजनों में विधायक अनुज शर्मा के साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिशंकर वर्मा, स्वाति वर्मा, सविता चंद्राकर, अरविंद सिंह ठाकुर, मधु जयकिरण वर्मा, अनुपमा वर्मा, रुखमणी शिवारे, सुनील शर्मा, दिलीप रात्रे, पुष्कर पटेल, अशोक सिन्हा, खिलेंद्र वर्मा, रुखमणि वर्मा, मयंक यादव सहित विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत झीट में ‘आशीर्वाद का दिया’ जलाकर मनाया गया पीएम मोदी का जन्मदिन: जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मांगी दीर्घायु की कामना

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ
पाटन/झीट। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर पाटन क्षेत्र की ग्राम पंचायत झीट में ‘आशीर्वाद का दिया’ कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक साथ दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की ईश्वर से मंगलकामना की।

खबर के प्रमुख बिंदु: आशीर्वाद का दिया’ से रोशन हुआ झीट: कार्यक्रम के दौरान पूरे विधि-विधान से ‘आशीर्वाद का दिया’ जलाया गया। उपस्थित सभी लोगों ने हाथों में दीप लेकर देश के प्रधान सेवक के प्रति अपनी आस्था और सम्मान प्रकट किया।

राष्ट्र सेवा का संकल्प : वक्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के सेवा और समर्पण भाव को याद करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के नए आयाम छू रहा है। प्रशासनिक व सामाजिक सहभागिता: कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों के साथ



प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी ने आयोजन को खास और प्रासंगिक बनाया।

गरिमामयी उपस्थिति :

इस अवसर पर मुख्य रूप से जनपद पंचायत पाटन अध्यक्ष कीर्ति नायक , जनपद सीईओ महेंद्र जांगड़े , जिला पंचायत सभापति नीलम चंद्राकर , सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर , मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर , अमलेश्वर नगर

पालिका अध्यक्ष दयानंद सोनकर एवं ग्राम पंचायत झीट सरपंच रूपेंद्र राजू साहू उपस्थित रहे। इसके साथ ही अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष पवन ठाकुर, महामंत्री धर्मेन्द्र कोशिक, हेमराज टंडन, बीरू सिंगौर, रविकांत कोशिक, जीवन साहू, अजय ठाकुर, संजय पाल सहित स्थानीय कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भाजयुमो रायपुर का विशाल रक्तदान शिविर: जयस्तंभ चौक में रक्तदाताओं को बांटे गए प्रमाण पत्र और हेलमेट बैग

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ
रायपुर। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) रायपुर शहर जिला द्वारा राजधानी के हृदय स्थल जयस्तंभ चौक पर एक विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। सेवा, समर्पण और जनकल्याण के संकल्प के साथ आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादायी रहा।

इस महत्वपूर्ण आयोजन में वरिष्ठ नेताओं, क्षेत्रीय सांसद एवं विधायकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उपस्थित अतिथियों ने शिविर का निरीक्षण कर रक्तदान करने वाले युवाओं और नागरिकों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेताओं द्वारा रक्तदान करने वाले सभी नागरिकों व



कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। समाज सेवा और सुरक्षा का संदेश देते हुए सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र (प्रमाण पत्र) एवं

‘हेलमेट बैग’ भेंट कर उनका प्रोत्साहन किया गया। भाजयुमो के इस जनकल्याणकारी पहल की शहरवासियों ने जमकर सराहना की।

करपावंड में आम नागरिकों के कर्तव्यों की दी जानकारी

बकावंड जनता के गोठ।

विकासखंड बकावंड के जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत करपावंड में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुश्री अंकिता कश्यप ने ग्रामीणों को आम नागरिकों के कर्तव्यों एवं विधिक अधिकारों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत के सरपंच श्री लखमुराम नेताम ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

सुश्री अंकिता कश्यप ने नागरिकों के कर्तव्यों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को संविधान एवं कानून का सम्मान करना चाहिए। अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना भी आवश्यक है। उन्होंने सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, स्वच्छता बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण, यातायात नियमों



का पालन करने तथा समाज में आपसी भाईचारा और सद्भाव बनाए रखने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया।

उन्होंने ग्रामीणों को विधिक अधिकारों तथा उपलब्ध कानूनी सहायता के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या होने पर विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम

से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने ग्रामीणों से अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने तथा कानून का पालन करते हुए जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की अपील की। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि, पंचायत कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नाइटलाइफपर पुलिस का कड़ा पहरा: रायपुर में होटल और बार संचालकों को DCP के सख्त निर्देश, ID बिना नहीं मिलेगा कमरा

बिना लाइसेंस शराब परोसने और हुक्का पर पूर्ण प्रतिबंध;

समयसीमा, विदेशी मेहमानों, फ़यर सेफ्टी और महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस कमिश्नरेट ने जारी की गाइडलाइन

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ

रायपुर: राजधानी रायपुर में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने, असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने और संधिध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस कमिश्नरेट ने कड़ा रुख अपनाया है। डीसीपी सेंट्रल जोन तारकेश्वर पटेल ने सिविल लाइन और तेलीबांधा क्षेत्र के होटल एवं बार संचालकों की सी-4 सिविल लाइन स्थित कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर कड़ी वैधानिक



कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के प्रमुख निर्देश:

पहचान पत्र के बिना कमरा नहीं: होटल संचालकों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी गेस्ट को कमरा आवंटित करने से पूर्व प्रूफा वैध पहचान पत्र (ID Proof)

और मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से रिकॉर्ड में लिया जाए।

* विदेशी नागरिकों की सूचना : होटल में किसी भी विदेशी मेहमान के ठहरने पर निर्धारित प्रारूप में तत्काल संबंधित पुलिस थाने को सूचित करना अनिवार्य

होगा।

* समयसीमा का कड़ाई से पालन : निर्धारित समय के बाद बार या रेस्टोरेन्ट खुले रखने पर पाबंदी रहेगी।

* नशे व नाबालिगों पर प्रतिबंध : बिना वैध लाइसेंस शराब

परोसना, हुक्का व अन्य नशीले पदार्थों का सेवन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। बार में नाबालिगों के प्रवेश पर विशेष निगरानी रखते हुए सख्त रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

* छद्मछद्म सर्विलांस : परिसर, प्रवेश द्वार और स्टोरेज एरिया में 24 घंटे चालू हालत में छद्मछद्म कैमरे और उनकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखना अनिवार्य है। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस को फुटेज उपलब्ध करानी होगी।

पार्किंग, इवेंट्स और महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान

पार्किंग व्यवस्था : सार्वजनिक मार्गों या आम रास्तों पर वाहन खड़े न हों, इसके लिए संचालकों को अपने परिसर में ही व्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित करनी होगी।

इवेंट्स और सेलिब्रिटी विजिट : किसी भी विशेष आयोजन में सेलिब्रिटी या विशिष्ट व्यक्तियों को बुलाने से पूर्व संबंधित पुलिस थाने से अनुमति और पूर्व सूचना देना अनिवार्य होगा। साथ ही ऐसे आयोजनों या गानों पर सख्त मनाही रहेगी जिससे धार्मिक भावनाएं

आहत हों या विवाद की स्थिति बने। इमरजेंसी रिपोर्टिंग : परिसर में किसी भी प्रकार के विवाद, लड़ाई-झगड़े, संधिध गतिविधि या अनैतिक कृत्य (देह व्यापार आदि) की जानकारी तुरंत ‘डायल 112’ और संबंधित थाना पुलिस को दी जाए।

सुरक्षा मानक : सभी प्रतिष्ठानों को फायर सेफ्टी मानकों का पालन करते हुए अग्निशमन उपकरणों को चालू स्थिति में रखना होगा तथा महिला सुरक्षा के प्रति विशेष सतर्कता बरतनी होगी।

वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी

इस समीक्षा बैठक में एडीसीपी विवेक शुक्ला, एसीपी सिविल लाइन, डीएसपी रमाकांत साहू तथा संबंधित क्षेत्रों के थाना प्रभारी उपस्थित रहे। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में पुलिस की गश्त और औचक चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि अपराधियों और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण बना रहे।

1.28 लाख दीपों की रोशनी से जगमगाया नारायणपुर, जनभागीदारी ने रचा ऐतिहासिक उत्सव

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ/

नारायणपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत नारायणपुर जिले में आयोजित ‘आशीर्वाद का दिया’ कार्यक्रम में अभूतपूर्व जनभागीदारी देखने को मिली। जिलेभर में एक साथ 1,28,633 दीप प्रज्वलित किए गए, जिससे पूरा नारायणपुर क्षेत्र रोशनी से नहा उठा। कार्यक्रम का मुख्य आयोजन एडका चौक स्थित गोठियारी तालाब में हुआ, जहाँ प्रदेश के वन, जलवायु परिवर्तन एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने दीप प्रज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया। अकेले मुख्य आयोजन स्थल पर 51 हजार दीपों की अलौकिक छटा बिखरी। क्षेत्रवार दीप प्रज्वलन का व्योरा गोठियारी तालाब (मुख्य स्थल): 51,000 दीप जनपद पंचायत नारायणपुर : 38,000 दीप जनपद पंचायत औरछा : 18,000 दीप नगरपालिका क्षेत्र : 15,000 दीप कुल प्रज्वलित दीप : 1,28,633 (घरों, आश्रमों, सुरक्षा कैपों व शासकीय भवनों में)

नक्सलवाद के अंधकार से विकास के उजाले की ओर - समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प के कारण बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफनिर्णायक सफलता मिली है। कभी हिंसा और भय से प्रभावित रहा अबूझमाड़ अब शांति और प्रगति के नए युग में प्रवेश कर रहा है।

बुनियादी सुविधाओं का वित्तार : क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी मूलभूत सुविधाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाई जा रही हैं। व्यापक जनसहभागिता: आम नागरिकों के साथ-साथ सुरक्षा कैपों, पुनर्वास केंद्रों, मंदिरों और आंगनबाडियों में दीप जलाकर जवानों और आम जनता का मनोबल बढ़ाया गया। विकसित भारत का संकल्प : ‘जिसने जीवन संभारा, उसे आशीर्वाद हमारा’ का भावना के साथ जले ये दीप जनविश्वास, सेवा और ‘विकसित भारत-2047’ के संकल्प के प्रतीक हैं।



खबर-खास

छोटेजिराखाल में पारंपरिक रीति-रिवाज से मनाया गया नया खाई पर्व



सरपंच डेमुघर बघेल के परिवार ने नए धान के अन्न से तैयार किया नया खानी, ग्रामीणों को दी बधाई

बकावंड जनता के गोठ। विकासखंड बकावंड के अंतर्गत ग्राम छोटेजिराखाल में पारंपरिक रीति-रिवाज, आस्था और आपसी भाईचारे के साथ नया खाई पर्व मनाया गया। इस अवसर पर सरपंच श्री डेमुघर बघेल , श्रि शंकर बघेल,श्रि हरी राम बघेल,श्रि अर्जुन बघेल,ललित कुमार बघेल, और सह परिवार के परिवार के छोटे से लेकर बड़े तक सभी सदस्य एकजुट होकर आयोजन में शामिल हुए। परिवार ने पारंपरिक विधि-विधान के साथ नए धान के अन्न से नया खानी तैयार किया। आयोजन के दौरान विधिवत पूजा-अर्चना कर नए अन्न को अर्पित किया गया। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं गांव की माता-बहनों एवं ग्रामीणों को नया खानी का ज्वारा प्रदान कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई तथा सभी को पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। ग्रामीणों ने बताया कि नया खाई पर्व क्षेत्र की पारंपरिक संस्कृति और कृषि जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। नई धान की फसल आने के बाद नए अन्न को पहले पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार अर्पित कर परिवार और समाज के लोग प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। इस पर्व के माध्यम से नई फसल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ-साथ आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश भी दिया जाता है। ग्राम छोटेजिराखाल में आयोजित इस पारंपरिक कार्यक्रम से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा और नई पीढ़ी को भी स्थानीय परंपरा एवं संस्कृति से जोड़ने का संदेश मिला।

सेवा संकल्प अभियान स्कूली बच्चों ने रंगों से कैनवास पर उकेरा ‘मेरे सपनों का भारत’



भुजबल बघेल
बकावंड जनता के गोठ। शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ‘सेवा संकल्प कार्यक्रम’ के अंतर्गत शुक्रवार को रचनात्मक गतिविधियों का गरिमायय आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति और राष्ट्रप्रेम को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर एक भव्य चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान नन्हें कलाकारों ने तुलिका और रंगों के माध्यम से भविष्य के आत्मनिर्भर और विकसित भारत की सुंदर चित्रकल्पना को कैनवास पर जीवंत कर दिया। विद्यार्थियों के चित्रों में स्वच्छ भारत अभियान, हरित पर्यावरण, उन्नत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, महिला सशक्तिकरण, सर्वसुलभ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सामाजिक समरसता जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषय प्रमुखता से झलके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगदलपुर महापौर श्री सजय पांडे ने स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट विद्यालय जगदलपुर में छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों का आत्मीयता से अवलोकन किया और उनकी सुजनशीलता की मुककंठ से सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों की कल्पनाशीलता और सकारात्मक सोच ही भविष्य के समृद्ध भारत की मजबूत नींव है। उन्होंने विद्यार्थियों को औपचारिक शिक्षा के साथ-साथ कला, साहित्य और सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी निरंतर सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया।समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी श्री बलिराम बघेल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री अनिल दास और खंड स्नोत समन्वयक श्री राजेंद्र ठाकुर सहित दोनों शालाओं के प्राचार्य, शिक्षक, संकुल समन्वयक, स्थानीय पार्षद एवं वरिष्ठ जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बच्चों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

एकल आचार्य सरस्वती शिक्षा केंद्रों की मानस गान प्रतियोगिता में अमड़ा उत्साह, 20 गांवों के मानस प्रेमियों ने दिखाई भक्ति और संस्कार की झलक

कोरबा। विद्या भारती छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में वनांचल शिक्षा सेवा न्यास छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित सरस्वती शिक्षा केंद्रों की कार्य योजना अनुसार प्रतिवर्ष की भाति कार्यक्रमों की सूची में कोरबा जिला के करतला संकुल में मानस गान प्रतियोगिता ग्राम पतरापाली में संपन्न हुई।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सुधीर चोपड़ा समाजसेवी कोरबा, प्रांतीय सचिव श्री चन्द्र किशोर श्रीवास्तव, विभाग प्रमुख श्री कीर्ति अग्रवाल, प्रांत प्रमुख श्री नरेश जायसवाल, सरपंच प्रतिनिधि श्री अंतराम राठिया, संयोजक श्री ननकी राम राठिया, बी पी भट्ट गुरु जी मंच में विराजमान थे। जनजाति क्षेत्र की शिक्षा के अंतर्गत इस प्रकार के कार्यक्रमों से गांव में धार्मिक वातावरण एवं भैया बहनों में संस्कार मिलता है गांव-गांव में रामचरितमानस के प्रसंग से पारिवारिक संबंधों में प्रगाढ़ता आती है।

मानस गान प्रतियोगिता में जिले के चार संकुल में से करतला संकुल के सभी 20 गांवों से आए मानस प्रेमियों को रामचरितमानस पुस्तक, मां सिद्धिदात्री की फोटो, गमछा एवं 350 रुपया नगद सांवना पुस्कार प्रदान किया गया, साथ ही अतिथियों को शॉल एवं श्रीफ्ल भेंटकर सम्मानित किया गया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सुरेश झा समाजसेवी कोरबा, श्री मिथिलेश पांडे एवं श्री रामेश्वर राठिया मंच में विराजमान थे, जिनके कर कमलों से पुरस्कार वितरण किया गया।

मानस गान प्रतियोगिता को संपन्न कराने में श्री भारत लाल राठिया जिला समन्वयक, श्री नेतराम प्रजापति संकुल समन्वयक करतला, श्री अबीर सिंह राठिया संकुल समन्वयक कुदुमुरा, सहित 20 गांव के आचार्य एवं पतरापाली के आचार्य श्रीमती जय अंसती राठिया एवं संयोजक श्री ननकी राम राठिया का अमूल्य योगदान रहा। मानस गान प्रतियोगिता से गांव में उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ एवं सभी लोग आनंदित होकर के कार्यक्रम शामिल हुए।

लोगों के चेहरे में आई खुशी, उम्मीद छोड़ चुके लोगों का गुम मोबाइल कवर्धा पुलिस ने लौटाया

एस्ट्रडियल (भाऽऽऽऽऽऽ पोर्टल से 100 गुम मोबाइल बरामद, 25 लाख के फोन असली मालिकों को लौटाए

कवर्धा/जनता के गोठ। गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन की पतासाजी में कबीरधाम साइबर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। साइबर पुलिस टीम ने छ्शद्धकपोर्टल और तकनीकी जांच के माध्यम से 100 गुम मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने सत्यापन के बाद

सभी मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों और वारिसांनों को सौंप दिए।

मोबाइल गुम होने के बाद संबंधित लोगों की शिकायत और उपलब्ध जानकारी के आधार पर मोबाइल के दृष्धद्ध नंबर छ्शद्धकपोर्टल पर दर्ज कर ब्लॉक कराए गए थे। इसके बाद साइबर पुलिस ने तकनीकी जानकारी का विश्लेषण शुरू किया। गुम मोबाइल में किसी अन्य सिम के इस्तेमाल अथवा नेटवर्क पर दोबारा सक्रिय होने की स्थिति में प्राप्त जानकारी के आधार पर संबंधित मोबाइल नंबर, उपयोगकर्ता और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की पड़ताल की गई।



पुलिस टीम ने मोबाइल की जानकारी मिलने के बाद केवल लोकेशन तक सीमित न रहते हुए दृष्धद्ध नंबर, सिम कार्ड, मोबाइल नंबर और अन्य तकनीकी साक्ष्यों

का आपस में मिलान किया। सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 100 मोबाइल बरामद किए गए। मोबाइल वापस मिलने पर उनके वास्तविक मालिकों के चेहरे

महादेव घाट पर उमड़ा नारी शक्ति का सैलाब: प्रियंका गिरी ने बुजुर्ग महिलाओं का आशीर्वाद लेकर मनाया पीएम मोदी का जन्मदिन

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की मोडिया प्रभारी प्रियंका गिरी के नेतृत्व में महादेव घाट (हटकेश्वर महादेव मंदिर) में भव्य पूजा-अर्चना और सेवा कार्य का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की प्रमुख बातें:

* विशेष महापूजा : बाबा हटकेश्वर नाथ का जलाभिषेक कर पीएम मोदी की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की गई।

* मातृशक्ति का आशीर्वाद : महादेव घाट परिसर में उपस्थित बुजुर्ग महिलाओं के चरण स्पर्श कर प्रियंका गिरी ने आशीर्वाद लिया।

* सेवा ही संगठन : इस दौरान श्रद्धालुओं और स्थानीय महिलाओं के बीच फल व प्रसाद का वितरण



किया गया। >नरेंद्र मोदी जी ने देश की हर महिला को सम्मान और अधिकार देकर सशक्त बनाया है। आज महादेव की पावन धरा से हम सभी बहनों ने उनके दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना की है।> – प्रियंका गिरी (मोडिया प्रभारी, भाजपा महिला मोर्चा)

ठगी का नया पैतरा, पुराने सिक्के-नोट के बदले करोड़ों, राजस्थान में बैठकर कवर्धा के लोगों से 1.86 लाख की ठगी, सायबर पुलिस ने आरोपी को तेलंगाना से किया गिरफ्तार



कवर्धा/जनता के गोठ। पुराने सिक्के और नोट के बदले लाखों-करोड़ों रुपये दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले दो मुख्य आरोपियों को कबीरधाम साइबर पुलिस ने तेलंगाना से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने ईस्टाग्राम पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों को अपने जाल में फंसाया और अलग-अलग बैंक खातों, यूपीआई व क्यूआर कोड के माध्यम से रकम वसूलते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब ढाई लाख रुपये कीमत के पांच मोबाइल फोन जब्त किए हैं। मामला अगस्त 2026 का है। प्राथी ने ईस्टाग्राम रील्स देखते समय एक विज्ञापन देखा, जिसमें पांच रुपये के वैण्णो देवी छाप

सिक्के के बदले 85 लाख रुपये और पांच रुपये के ट्रेक्टर छाप नोट के बदले एक करोड़ रुपये देने का दावा किया गया था। विज्ञापन में दिए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने के बाद आरोपियों ने खुद को मुंबई का निवासी बताया और पुराने सिक्के व नोट की तस्वीरें व्हाट्सएप पर मंगाई। इसके बाद आरोपियों ने सरकारी शुल्क, जीपीएस रिचार्ज, इंजन वेंट्रिफिकेशन, कस्टम ड्यूटी, रसीद और बीमा सहित अलग-अलग बहानों से पैसे की मांग शुरू कर दी। प्राथी ने विभिन्न किश्तों में कुल 1,68,269 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। इसके बावजूद आरोपियों ने और रकम की मांग जारी रखी। शिकायत पर

साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और बैंकिंग डिटेल के आधार पर पुलिस टीम तेलंगाना पहुंची। वहां फ्तेहपुर क्षेत्र से मोहम्मद नजीम और मोहम्मद रोहिल, दोनों निवासी भरतपुर राजस्थान और वर्तमान में आमूर, जिला निजामाबाद, तेलंगाना, को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा राज ज्ञानी नाम से फर्जी ईस्टाग्राम प्रोफाइल बनाकर ठगी करना सामने आया। पुलिस के मुताबिक आरोपी फर्जी मोबाइल सिम और अलग-अलग बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे। आरोपियों से पांच मोबाइल फोन जब्त कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

शिक्षा की राह हुई आसान सांसद श्री महेश कश्यप की मौजूदगी में 403 छात्राओं को मिली नि:शुल्क साइकिलें



भुजबल बघेल
जनता के गोठ, 18 सितम्बर 2026/ ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों की बेटियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़े रखने तथा उनके आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में शिक्षा विभाग द्वारा सरस्वती सायकल योजना’ के अंतर्गत विकासखंड जगदलपुर के बिलौरी, जमावाड़ा और नानुगुर में आयोजित विशेष कार्यक्रमों में कुल 403 बालिकाओं को नि:शुल्क सायकलों का वितरण किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों से स्कूल आने वाली छात्राओं की राह आसान बनाना और बीच में ही पढ़ाई छोड़ने की समस्या पर प्रभावी अंकुश लगाना है। आयोजित कार्यक्रमों में बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि जनपद पंचायत जगदलपुर के अध्यक्ष श्री पदलाम नाग ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर सहभागिता निभाई। उल्लेखनीय है कि विकासखंड के कुल 13 उच्चतर माध्यमिक

विद्यालयों की छात्राओं को इस योजना से सीधा लाभ मिला है, जिसके अंतर्गत बिलौरी केंद्र में 6 स्कूलों की 186, नानुगुर केंद्र में 4 स्कूलों की 139 तथा जमावाड़ा केंद्र में 3 स्कूलों की 78 बालिकाओं को सायकलों का वितरण किया गया। इस दौरान समारोह को संबोधित करते हुए सांसद श्री महेश कश्यप ने छात्राओं को मन लगाकर अध्ययन करने और जीवन में उच्च लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं की निरंतर भागीदारी सुनिश्चित करने में शासन की यह कल्याणकारी योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। इस अवसर पर स्थानीय सरपंचों, जनप्रतिनिधियों, संकुल समन्वयकों, विभिन्न स्कूलों के प्राचार्यों, शिक्षकों और बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने भी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया। आवागमन का सुरक्षित साधन मिलने से छात्राओं और उनके परिजनों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

विश्वकर्मा जयंती पर श्रमवीरों को बड़ी सौगात: 1.43 लाख श्रमिकों के खाते में 51.32 करोड़ ट्रांसफर, CM साय ने कीं 3 बड़ी घोषणाएं

ई-रिक्शा अनुदान दोगुना होकर हुआ 1 लाख; श्रमिकों के लिए ई-बाइक योजना और शहरों में आधुनिक सुविधा केंद्रों की घोषणा; विधायक पुरन्दर मिश्रा ने जताया आभार

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ

रायपुर: भगवान विश्वकर्मा जयंती और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर आयोजित ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में भव्य ‘राज्य स्तरीय श्रमिक महासम्मेलन’ संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और रायपुर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा की गरिमामय मौजूदगी में आयोजित इस सम्मेलन में प्रदेश के 1.43 लाख से अधिक श्रमिकों के बैंक खातों में 51.32 करोड़ से अधिक की सहायता राशि सिधे डीबीटी (DBT) के माध्यम से ट्रांसफर की गई।

मुख्यमंत्री साय द्वारा की गई 3 बड़ी घोषणाएं:

ई-रिक्शा अनुदान में दोगुनी बढ़ोतरी: असंगठित क्षेत्र के रिक्शा चालकों को ई-रिक्शा खरीदने के लिए मिलने वाली सहायता राशि को 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख कर दिया गया है।

ई-बाइक सहायता योजना : पंजीकृत श्रमिकों के लिए



आवागमन को सुलभ बनाने हेतु नई ‘ई-बाइक सहायता योजना’ शुरू करने का ऐलान किया गया। आधुनिक श्रमिक सुविधा केंद्र : प्रदेश के प्रमुख शहरों में श्रमिकों के लिए सर्वसुविधायुक्त आधुनिक सुविधा केंद्र तैयार किए जाएंगे।

100 महिलाओं को मिली ई-रिक्शा की चाबी, होनहार बेटे की पढ़ाई का खर्च उठाएगी सरकार
महासम्मेलन में 100 श्रमिक दीर्दियों को ई-रिक्शा की चाबी सौंपकर आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ाया गया। इसके अलावा,

एक श्रमिक परिवार की प्रतिभावान बेटे मनिंदर कौर को लैपटॉप और 1.75 लाख का चेक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री साय ने घोषणा की कि मनिंदर कौर की इंजीनियरिंग की पूरी पढ़ाई का खर्च छत्तीसगढ़ सरकार वहन करेगी।

श्रमिक हमारे विकास की आधारशिला: विधायक पुरन्दर मिश्रा

रायपुर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि श्रमवीरों का पसीना और परिश्रम ही समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण की नींव है। उन्होंने कहा कि सरकार श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा और स्वरोजगार के नए अवसर देकर उनके जीवन में खुशहाली ला रही है। उन्होंने ‘आशीर्वाद का दिया’

जलाकर प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।
मुख्यमंत्री ने श्रमिक बहनों के साथ किया भोजन
कार्यक्रम के दौरान एक आत्मीय दृश्य तब दिखा जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वयं श्रमिक बहनों के साथ बैठकर दोपहर का भोजन किया। उन्होंने भोजन के दौरान महिलाओं से उनके कामकाज, परिवार और बच्चों की शिक्षा-दीक्षा का हालचाल जाना।

इस महासम्मेलन में कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, रायपुर लोकसभा सांसद बुजमोहन अप्पवाल सहित कई जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और प्रदेशभर से आए हजारों श्रमिक भाई-बहन उपस्थित रहे।

खबर-खास

एसईसीएल दीपका क्षेत्र के अधीन संचालित जय अम्बे कंपनी में ड्राइवर मजदूरों से जुड़ी समस्याओं को लेकर छत्तीसगढ़ क्रांति सेना ने खोला मोर्चा

कोरबा। एसईसीएल दीपका क्षेत्र के अधीन संचालित जय अम्बे कंपनी में ड्राइवर मजदूरों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने मोर्चा खोला। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष उमागोपाल के नेतृत्व में कार्यकर्ता एसईसीएल दीपका प्रोजेक्ट के महाप्रबंधक (जीएम) से मुलाकात करने पहुंचे।

संगठन की ओर से कंपनी में ड्राइवर मजदूरों की संख्या, एक कर्मचारी को काम से बैठाए जाने, मजदूरों को समय पर भुगतान नहीं मिलने सहित कई शिकायतें जीएम के समक्ष रखी गईं। संगठन ने यह आरोप भी लगाया कि कंपनी के अंदर कुछ अधिकारियों द्वारा ड्राइवर मजदूरों से कथित रूप से पैसे लिए जाने की शिकायत सामने आई है।

मजदूरों की समस्याओं को लेकर संगठन के कार्यकर्ताओं ने एसईसीएल दीपका प्रोजेक्ट कार्यालय परिसर में नारेबाजी की। इस दौरान कार्यालय परिसर में काफी देर तक नारे गूंजते रहे। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रोजेक्ट जीएम ने जय अम्बे कंपनी के अधिकारियों से बातचीत की और मजदूरों की शिकायतों के समाधान को लेकर चर्चा की। बातचीत के बाद संबंधित कर्मचारी को दोबारा काम पर रखने की बात सामने आई।

इस दौरान छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष उमागोपाल ने कहा कि ड्राइवर और मजदूरों के साथ किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मजदूरों को उनके काम का मेहनताना समय पर मिलना चाहिए और कार्यस्थल पर उनके अधिकारों का संरक्षण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मजदूर अपने हक और अधिकार की लड़ाई में अकेले नहीं हैं। संगठन मजदूरों की समस्याओं को लेकर आगे भी आवाज उठाता रहेगा। उमागोपाल ने कहा कि मजदूरों का हक मजदूरों को मिलना चाहिए और मजदूरों के कथित शोषण के खिलाफ संगठन लगातार संघर्ष करेगा।

कृषि अधिकारी निलंबित: बिना सूचना लंबे समय से थे अनुपस्थित, किसानों से जुड़े काम प्रभावित होने की शिकायत

कोरबा। कटघोरा कृषि विभाग में पदस्थ ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी देवशरण पैकार को लंबे समय तक बिना सूचना और स्वीकृत अवकाश के कार्यक्षेत्र से अनुपस्थित रहने के मामले में निलंबित कर दिया गया है। उन संचालक कृषि, जिला कोरबा ने 15 सितंबर 2026 को निलंबन आदेश जारी किया है।

विभागीय आदेश के अनुसार, देवशरण पैकार कटघोरा और जेजरा क्षेत्र में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। आदेश में कहा गया है कि वे 1 अगस्त 2026 से बिना सूचना और स्वीकृत अवकाश के कार्यक्षेत्र से अनुपस्थित थे।

विभाग ने अधिकारी की अनुपस्थिति को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम, 1965 के नियम 3 का उल्लंघन माना है। विभागीय पत्राचार और अनुशासनात्मक कार्रवाई के प्रस्ताव के आधार पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1) के तहत निलंबन की कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान देवशरण पैकार का मुख्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड पोड़ी-उपरोड़ा कार्यालय निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

मामले के सामने आने के बाद भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक राजेश यादव ने अधिकारी की लंबे समय तक अनुपस्थिति से किसानों से जुड़े कार्यों पर संभावित असर की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि कटघोरा और जेजरा क्षेत्र में कृषि विभाग की योजनाओं, तकनीकी मार्गदर्शन और किसानों को मिलने वाली सेवाओं पर यदि अधिकारी की अनुपस्थिति का असर पड़ा है तो इसकी भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में तत्काल वैकल्पिक अधिकारी की व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि किसानों को विभागीय योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी न हो।

राजेश यादव ने संबंधित अधिकारी पर महिला अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति कथित आपतिजनक एवं अप्रदर टिप्पणियां किए जाने के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि विभागीय व्हाट्सएप ग्रुप में इस तरह की टिप्पणियां की गई हैं, तो संबंधित रिकॉर्ड की तथ्यात्मक जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि इस रिपोर्ट में नहीं हुई है और इनकी वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

राजेश यादव ने बताया कि वह मामले की जानकारी कृषि मंत्री रामविचार नेताम, कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव और कलेक्टर कोरबा को देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि उद्देश्य किसी व्यक्ति को निशाना बनाना नहीं, बल्कि किसानों से जुड़े विभागीय कार्यों को सुचारु रखना है। उन्होंने मांग की कि निलंबन की कार्रवाई के साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को कृषि विभाग की सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिलता रहे।

प्राथमिक शाला गबौद में स्लेट-पेंसिल वितरण, बच्चों के चेहरों पर दिखी खुशी

विक्रम राय गुरुजी ने बच्चों को शिक्षा के प्रति किया प्रेरित, धनसाय घृतलहरे भी रहे मौजूद

चेतन पुरेना/बलौदाबाजार/ शासकीय प्राथमिक विद्यालय गबौद में बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने और उनमें पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से स्लेट-पेंसिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता एवं छत्तीसगढ़ संकुल शैक्षिक समन्वयक संघ के प्रांताध्यक्ष विक्रम राय गुरुजी ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को नई स्लेट एवं पेंसिल का वितरण किया। स्लेट-पेंसिल पाकर नन्हे-मुन्हे बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफदिखाई दिया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विक्रम राय गुरुजी के साथ समाजसेवी एवं छाया सरपंच



धनसाय घृतलहरे उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने विद्यालय के सभी बच्चों को स्लेट एवं पेंसिल वितरित करते हुए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने, मन

लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। नई स्लेट और पेंसिल हाथों में आते ही बच्चों में खासा उत्साह देखने

को मिला,बच्चों ने खुशी के साथ अपनी नई स्लेट-पेंसिल संभाली और अतिथियों के साथ फोटो भी खिंचवाई। विद्यालय का माहौल बच्चों की मुस्कान और उत्साह से

खुशनुमा नजर आया।

शिक्षा ही भविष्य की नींव : **विक्रम राय गुरुजी** इस अवसर पर विक्रम राय गुरुजी ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। प्राथमिक स्तर पर बच्चों को यदि समय पर सहयोग, संसाधन और प्रोत्साहन मिले तो वे आगे चलकर बड़ी सफलताएं हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्लेट-पेंसिल वितरण का उद्देश्य केवल सामग्री उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि और उत्साह पैदा करना भी है। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे नियमित रूप से शाला आए, शिक्षकों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनें और पूरी लगन के साथ पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि गांव के बच्चों को बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के लिए समाज के सभी वर्गों को अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

सामाजिक सहयोग से बनेगा

शिक्षा का सकारात्मक माहौल समाजसेवी एवं छाया सरपंच धनसाय घृतलहरे ने कहा कि बच्चों की शिक्षा में सहयोग करना समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस तरह के सामाजिक प्रयासों से गांव में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण बनता है और अन्य लोग भी बच्चों की पढ़ाई के लिए सहयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपनी पढ़ाई को गंभीरता से लें और मेहनत के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने विद्यालय परिवार द्वारा बच्चों के हित में किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से प्रधान पाठक एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान विद्यालय का स्टाफ शाला प्रबंधन समिति के सदस्य सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

त्यौहारी सीजन के बीच सुनालिया पुल पर भारी वाहनों, बसों के परिचालन से लग रहा जाम, जनता हलाकान, प्रशासन नहीं ले रहा संज्ञान!

कोरबा। पावर हाउस रोड स्थित सुनालिया पुल और चैक के पास संकरी सड़क त्यौहारी सीजन गणेशोत्सव के बीच शहरवासियों का सिरदर्द बढ़ा रही है। गुणवत्ताहीन मरम्मत कार्य की वजह से बरसात में पूरी तरह खूबड़ चुकी सड़क में बजरी एवं गद्दा (धूल) उड़ने की वजह से राहगीर धूल फेंकने पर मजबूर हैं तो वहीं इस मार्ग में ट्रैक्टर,बसों के दिन में भी परिचालन की वजह से सुबह से शाम तक लग रही जाम से जनता हलाकान हो रही।

बुधवार को दोपहर 12.15 बजे करीब आधा घण्टे तक जाम लगा रहा। जिससे लोग खासकर दुपहिया वाहन चालक बेहद परेशान दिखे। एम्बुलेंस तक फंसी रही। आम जनता इन तमाम अव्यवस्थाओं के लिए स्थानीय निगम प्रशासन ,शासन को कोसते नजर आए। साथ ही लोगों ने हैरानी जताई कि जिला प्रशासन के जिम्मदार अधिकारियों के संज्ञान में यह अव्यवस्था कैसे नजर नहीं आ रही। पूर्व में जिला प्रशासन द्वारा इस मार्ग में त्यौहारी सीजन में भारी वाहनों के दिन में परिचालन पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। लेकिन इस बार अब तक इस तरह की जनहितकारी कोई व्यवस्था नजर नहीं आ रही। गणेशोत्सव से शुरू हुई त्यौहारी सीजन अब लगातार 2 माह तक जारी रहेगी। शारदीय नवरात्रि, दीपावली,देवउठनी एकादशी तक बाजार में रौनक रहती है। ऐसे में इस मार्ग आमजन को इन अव्यवस्थाओं से दो चार होना पड़ेगा।

पुराने शहर की शुरुआत टीपी नगर के बाद सुनालिया पुल से पावर हाउस रोड के जरिए होती है। कोरबा का यह पूरा इलाका व्यापार का केंद्र बिंदु है. बड़ा थोक व्यापार यहीं से होता है। पूर्व में अनुरूप तथा जिला अस्पताल में उपलब्ध ऑपरेशन थिएटर एवं अन्य सुविधाओं की क्षमता के आधार पर ही किए जाएं। आवश्यक संदर्भ के अनुसार रोस्टर बनाकर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल कांकेर एवं जगदलपुर तथा महारानी अस्पताल स्थित अंबक नेत्र चिकित्सालय में भी ऑपरेशन कराने के निर्देश दिए। बैठक में डिप्टी कमिश्नर श्रीमती गीता रायस्त, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. महेश शांडिल्य, सीएमएचओ डॉ. संजय बसाक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विभाग की समीक्षा के दौरान कमिश्नर श्री सिंह ने मोतियाबिंद जांच एवं उपचार की स्थिति की गहन समीक्षा की। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार का आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए। **आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त पदों की भर्ती जल्द पूर्ण करें-** महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के पदों पर भर्ती प्रक्रिया नियमानुसार जल्द पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उपलब्धता के अनुसार रीस्टर बनाकर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल कांकेर एवं जगदलपुर तथा महारानी अस्पताल स्थित अंबक नेत्र चिकित्सालय में भी ऑपरेशन कराने के निर्देश दिए। बैठक में डिप्टी कमिश्नर श्रीमती गीता रायस्त, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. महेश शांडिल्य, सीएमएचओ डॉ. संजय बसाक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों और जरूरतमंद मरीजों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने संवेदनशीलता से करें कार्य-कमिश्नर श्री डोमन सिंह

दिव्यांगजनों के लिए प्रस्तावित शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश, अंदरूनी क्षेत्रों के हितग्राहियों को प्राथमिकता देने कहा

आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त पदों पर भर्ती जल्द पूर्ण करने और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

दोनों आंखों में मोतियाबिंद पीड़ित मरीजों के ऑपरेशन को प्राथमिकता देने पर जोर

बकावंड जनता के गोट कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह ने समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्राप्ति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा विशेष रूप से अंदरूनी एवं माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के जरूरतमंद लोगों को प्राथमिकता के साथ लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने पर जोर- कमिश्नर श्री सिंह ने जगदलपुर तथा दंतवाड़ा में आगामी दिनों में प्रस्तावित दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदाय शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंदरूनी क्षेत्रों में निवासरत जरूरतमंद दिव्यांगजनों का प्राथमिकता के साथ चिन्हांकन किया जाए और उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से अबूझमाड़ क्षेत्र के दिव्यांगजनों को शिविर से लाभान्वित करने के लिए संवेदनशीलता के साथ

‘बस्तर सेवा संकल्प अभियान’ के तहत शहीदों की याद में 1986 स्थानों पर जलाए गए दीये

कांकेर से लेकर सुकमा के करेंगुड़ा पहाड़ियों पर भी दीप जलाए गए

नक्सल हिंसा से प्रभावित गांवों से लेकर शहीद स्मारकों, पुनर्वास केंद्रों, सुरक्षा कैंपों और थानों में दीयों की रोशनी से जगमगाया बस्तर

7 जिलों में सेवा, शांति और नक्सलमुक्त बस्तर के संकल्प के साथ हुआ दीप प्रज्वलन

जगदलपुर/जनता के गोट, 18 सितंबर 2026/ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के राष्ट्रसेवा एवं जनसेवा के संकल्प के लिए मनाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान को नया आयाम मिला जब गुरुवार को इस अभियान के अंतर्गत बस्तर के शहीदों की याद में ‘बस्तर सेवा संकल्प अभियान’ के तहत पूरे बस्तर संभाग में विशेष दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बस्तर की नक्सल हिंसा से प्रभावित रही धरती पर शांति, विकास और सेवा के संकल्प के साथ 1986 स्थानों पर दीप प्रज्वलित किए गए। इनमें नक्सल हिंसा में

प्रभावित एवं जनहनि वाले गांव, पुनर्वास केंद्र, शहीद स्मारक एवं प्रतिमा स्थल, नक्सल उन्मूलन अभियान में सुरक्षा जवानों को जनसमर्थन देने वाले स्थान, सुरक्षा कैंप, पुलिस थाने तथा पूर्व में अति नक्सल प्रभावित रहे गांव शामिल रहे। अभियान का उद्देश्य बस्तर के उन क्षेत्रों में सेवा, शांति और विश्वास की रोशनी पहुंचाना रहा, जिन्होंने लंबे समय तक नक्सल हिंसा का दर्श झेला है। इसमें कांकेर से लेकर झीरम घाटी, सुकमा के कोटा और करेंगुड़ा पहाड़ियों पर भी दीप जलाए गए।

नक्सल हिंसा के साक्षी रहे 107 गांवों में जले दीप बस्तर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ऐसे 107 गांवों में दीप प्रज्वलित किए गए, जहां पूर्व में बड़ी नक्सल घटनाएं हुई थीं और बड़ी संख्या में जवानों अथवा आम नागरिकों की मृत्यु हुई थी। इनमें बीजापुर के 40, सुकमा के 31, दंतवाड़ा के 11, नारायणपुर के 11, कांकेर के 9, कोंडागांव के 3 और बस्तर जिले के 2 गांवों में दीप जलाए गए। इन गांवों में दीप प्रज्वलन के माध्यम से हिंसा के अंधकार से शांति और विकास की ओर बढ़ते बस्तर का संदेश दिया गया।

पुनर्वास केंद्रों से लेकर शहीद स्मारकों



तक पहुंची दीपों की रोशनी

बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों में स्थापित 9 पुनर्वास केंद्रों में भी दीप प्रज्वलित किए गए। इनमें बीजापुर में 3 और सुकमा, दंतवाड़ा, नारायणपुर, कांकेर, कोंडागांव और बस्तर में एक-एक पुनर्वास केंद्र शामिल हैं। इसी तरह शहीदों की स्मारक प्रतिमाओं एवं स्मृति स्थलों के समीप 177 स्थानों पर दीप जलाकर बस्तर की शांति और सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीरों को नमन किया गया।

इनमें बीजापुर में 5, सुकमा में 12, दंतवाड़ा में 13, नारायणपुर में 23, कांकेर में 82, कोंडागांव में 32 और बस्तर में 10 स्थान शामिल हैं।

नक्सल उन्मूलन अभियान में सुरक्षा जवानों का साथ देने वाले स्थान भी हुए रोशन

अभियान के तहत उन 147 स्थानों पर भी दीप प्रज्वलित किए गए, जहां नक्सल उन्मूलन अभियान के दौरान सुरक्षा जवानों को स्थानीय

लोगों का महत्वपूर्ण सहयोग मिला। इनमें बीजापुर के 31, सुकमा के 59, दंतवाड़ा के 6, नारायणपुर के 27, कांकेर के 5, कोंडागांव के 16 और बस्तर जिले के 3 स्थान शामिल हैं। इसके अलावा नक्सल उन्मूलन अभियान के उद्देश्य से स्थापित 393 सुरक्षा कैंपों में भी दीप प्रज्वलित किए गए। बीजापुर में 130, सुकमा में 91, दंतवाड़ा में 38, नारायणपुर में 56, कांकेर में 55, कोंडागांव में 10 और बस्तर में 13 सुरक्षा कैंपों में दीप जलाए गए।

122 थानों में भी जला सेवा और सुरक्षा का दीप

बस्तर संभाग के 122 पुलिस थानों में भी दीप प्रज्वलित किए गए। इनमें बीजापुर के 22, सुकमा के 19, दंतवाड़ा के 12, नारायणपुर के 14, कांकेर के 25, कोंडागांव के 15 और बस्तर जिले के 15 थाने शामिल हैं। यह दीप उन जवानों और पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान का प्रतीक बने, जो बस्तर में शांति एवं सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

पूर्व में अति नक्सल प्रभावित रहे 1,031 गांवों में भी रोशन हुआ हर घर

‘बस्तर सेवा संकल्प अभियान’ का सबसे व्यापक स्वरूप पूर्व में अति नक्सल प्रभावित रहे, जहां नक्सलियों का डेरा रहा, ऐसे 1,031

गांवों में देखने को मिला। इन गांवों में भी दीप प्रज्वलित कर शांति और विकास के नए दौर का स्वागत किया गया। इनमें बीजापुर के 593, सुकमा के 32, दंतवाड़ा के 192, नारायणपुर के 93, कांकेर के 85, कोंडागांव के 22 और बस्तर जिले के 14 गांव शामिल हैं।

सात जिलों में एक साथ जली सेवा संकल्प की ज्योति

बस्तर संभाग के सातों जिलों में आयोजित इस विशेष दीप प्रज्वलन अभियान में बीजापुर में 824, दंतवाड़ा में 273, कांकेर में 262, सुकमा में 245, नारायणपुर में 225, कोंडागांव में 99 और बस्तर जिले में 58 स्थानों पर दीप प्रज्वलित किए गए। इस प्रकार संभाग में कुल 1,986 स्थानों पर सेवा संकल्प की ज्योति प्रज्वलित हुई। बस्तर सेवा संकल्प अभियान के तहत जलाए गए ये दीप केवल रोशनी का प्रतीक नहीं, बल्कि नक्सल हिंसा से शांति की ओर बढ़ते बस्तर, शहीदों के सम्मान, सुरक्षा जवानों के प्रति कृतज्ञता और विकास के नए संकल्प का प्रतीक बने। बस्तर के उन गांवों और क्षेत्रों में, जहां कभी हिंसा और भय का वातावरण रहा, दीपों की रोशनी ने यह संदेश दिया कि अब बस्तर शांति, विश्वास और विकास के नए अध्याय की ओर आगे बढ़ रहा है।

